कार्यालय–निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर

क्रमांक : शिविरा/माध्य/मा–स/SDMC/22423/2015–17 दिनांक – 25.05.2017

समस्त संस्था प्रधान
राउमावि/रामावि

विषयः– विद्यालय को प्राप्त सहायता राशि/क्राउड फण्डिंग के प्रबन्धन में SDMC/ SMC की भूमिका के सम्बन्ध में।

सामाजिक सरोकारों के तहत सामाजिक सम्बद्धता वाले कार्यों के प्रबन्धन एवं नियोजन में समुदाय की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसका उत्कृष्ट उदाहरण धार्मिक स्थानों, धर्मशालाओं, गौ शालाओं, मुसाफिर खानों आदि में देखा जा सकता है, जहां प्रबन्धन भी समुदाय की भागीदारी से होता है एवं संचालन हेतु राशि भी समुदाय द्वारा संग्रहित की जाती है। मंदिरो/मस्जिदों/गुरूद्वारों, जल–प्याऊ, गौ शालाओं और अन्य चैरिटेबल ट्रस्टों में रखी गई दान पेटियां समुदाय की भागीदारी, प्रबन्धन एवं नियोजन का सुन्दर स्वरूप है। उक्त सहायता में सभी का योगदान भी होता है एवं सहायता का स्वरूप गुप्त होने के कारण सभी की संतुष्टि समाहित रहती है।

यद्यपि विद्यालयों में आयोजित होने वाले वार्षिकोत्सव, गणतन्त्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि कार्यक्रमों में सहायता/प्रोत्साहन राशि विद्यालयों को प्राप्त होती है, तथापि व्यवस्थित रूप से संग्रहण एवं उसके नियोजन की समुचित प्रक्रिया न होने से वह सुव्यवस्थित नहीं है। **"क्राउड फण्डिंग"** को व्यवस्थित रूप दिये जाने के लिये इसके संग्रहण एवं नियोजन में समुदाय की भागीदारी आवश्यक है। विद्यालय भी समुदाय की दृष्टि में आस्था का केन्द्र है। विद्यालयों में भविष्य का समुदाय तैयार होता है। इस क्रम में प्रत्येक विद्यालय में एक समुदाय का लघु स्वरूप अभिव्यक्त होता है। अतः **विद्यालय हेतु "क्राउड फण्डिंग" की प्राप्ति एवं उसका प्रबन्धन भी समुदाय अर्थात SDMC/SMC के सहयोग से होना चाहिए, जिससे समुदाय का यह विश्वास बना रहे कि उनके द्वारा विद्यालय में उन्हीं के बालक–बालिकाओं हेतु दी जाने वाली सहायता का समुचित उपयोग हो रहा है।**

इस हेतु **धौलपुर जिले के कुछ विद्यालयों में की गई पहल अनुकरणीय हो सकती** है। वहां के कुछ विद्यालयों में सरस्वती मंदिर अथवा कार्यालय कक्ष के बाहर बरामदे में एक बड़ी सी पेटी रखी गई है, **जिसे नाम दिया गया है "अक्षय पेटिका"**। इस पेटिका में दो ताले लगे हुए हैं, जिसकी एक चाबी संस्था प्रधान और दूसरी SDMC/SMC द्वारा मनोनीत समुदाय के किसी व्यक्ति के पास रहती है, जिसका मनोनयन SDMC/SMC की बैठक में प्रस्ताव लेकर किया जाता है। उक्त "अक्षय पेटिका" में विद्यालय में आने **वाला कोई भी विद्यार्थी, अभिभावक, समुदाय का सदस्य, जो विद्यालय को दी जाने वाली सहायता को सार्वजनिक नहीं करना चाहता, अपनी सहायता राशि इस पेटिका में डाल सकता है। विद्यार्थी और अध्यापक विभिन्न अवसरों (जन्मदिवस, विवाह, विवाह की वर्षगांठ, पदौन्नति) पर इस पेटिका में कुछ राशि डालते हैं। हाल ही में धौलपुर जिले के राउमावि, सैपऊ में उक्त "अक्षय पेटिका" का विधिवत उद्घाटन भी किया गया, जिसमें न केवल वहां उपस्थित नागरिकों वरन् उप खण्ड अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, ए.डी.पी.सी., संस्था प्रधान, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा भी उक्त पेटिका में सहायता राशि डाली गई। उक्त पेटिका को SDMC की बैठक में खोला जाता है एवं पेटिका से संग्रहित राशि को विधिवत खाते में प्रविष्ट किया जाकर विद्यालय एवं विद्यार्थियों की आवश्यकतानुरूप व्यय किया जाता है।**

www.rajteachers.com

उक्त "अक्षय पेटिका" का प्रत्येक विद्यालय में संधारण न केवल "**क्राउड फण्डिंग**" का व्यस्थित स्वरूप है, वरन् इसके प्रबन्धन में समुदाय की भागीदारी इसे और भी प्रभावी बना सकती है। सैपऊ (धौलपुर) की ही भांति अन्य विद्यालय भी उक्त पहल को सामाजिक सरोकार का स्वरूप देकर न केवल समुदाय की भागीदारी बढ़ा सकते हैं, वरन् विद्यालय के आकस्मिक/अतिरिक्त व्यय हेतु स्वपोषित हो सकते हैं।

(नथमल डिडेल)
आई.ए.एस.
निदेशक, माध्यमिक शिक्षा
राजस्थान, बीकानेर

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :–

1. शासन सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान, जयपुर।
2. विशिष्ट सहायक, शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राजस्थान सरकार, जयपुर।
3. निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर।
4. आयुक्त, राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्, जयपुर।
5. राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्, जयपुर।
6. निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर।
7. समस्त मण्डल उप निदेशक, माध्यमिक शिक्षा/जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक–प्रथम /द्वितीय को प्रभावी पर्यवेक्षण एवं समुचित प्रबोधन हेतु।
8. सिस्टम एनालिस्ट, कार्यालय हाजा को विभागीय वेब–साईट पर अपलोड एवं समस्त राजकीय माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के ई–मेल पते पर प्रेषित करने हेतु।
9. वरिष्ठ सम्पादक, "शिविरा", प्रकाशन अनुभाग, कार्यालय हाजा को आगामी अंक में प्रकाशनार्थ।
10. स्टाफ ऑफिसर, कार्यालय हाजा।
11. रक्षित पत्रावली।

25/5/17
उपनिदेशक (माध्यमिक)
माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान
बीकानेर

www.rajteachers.com